तेंदुए ने किया कुत्ते का शिकार वन विभाग की टीम पहुंची

- पगमार्क में तेंदुए की पुष्टि
- पिंजरा लगाने की उठाई मांग

पानसेमल, (नवभारत)। वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कांसुल के निकट तेंदुए द्वारा कुत्ते के शिकार करने की घटना सामने आई है। जिसके बाद किसानों में दहशत का माहौल बना हुआ है। बीती रात नयनसिंह राजपूत के खेत से कुत्ते को तेंदुए ने को अपना शिकार बनाया है और नजदीक ही गन्ने के खेत में क्षत-विक्षत हालत में उसका शव मिला।

सूचना के बाद मौके कर डिप्टी रेंजर राजू पाटिल, वनरक्षक महेश साकले पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया।

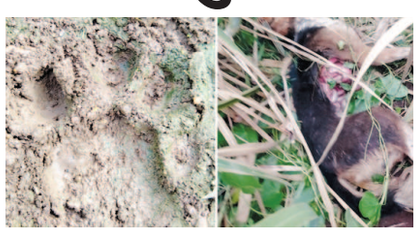

निरीक्षण के बाद पगमार्क में तेंदुए की पुष्टि की है। रेंजर रेवसिंह डावर, डिप्टी रेंजर राजू पाटिल एवं वन अधिकारियों ने ग्रामीणों को रात्रि के समय एहतियात बरतने की अपील की है। रात्रि के समय विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

किसानों और मजदूरों में दहशत व्याप्त

वहां मौजूद किसान दिलीपराव शितोले ने जानकारी दी कि कृषि कार्य के लिए खेतों में निरंतर आना जाना होता है। इस घटना के बाद किसानों एवं मजदूरों में दहशत व्याप्त है ।

खेती पर मौसम का संकट, कृषि मौसम सेवा ठप

बड़वानी, (नवभारत)। मध्यप्रदेश में मानसून दस्तक दे चुका है। जुलाई का पहला सप्ताह शुरू हो रहा है, लेकिन जिले में अब तक झमाझम बारिश नहीं हुई। हजारों किसान आसमान ताक रहे हैं ताकि खरीफ की बोवनी शुरू हो सके। जिस दौर में हर घंटे का मौसम खेती की दिशा तय करता है, उस वक्त जिले की सबसे जरूरी कृषि मौसम सेवा पिछले तीन माह से बंद पड़ी है।

तलून स्थित जिला कृषि मौसम इकाई और ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बंद होने से किसानों को स्थानीय स्तर पर वैज्ञानिक पूर्वानुमान नहीं मिल रहा। बारिश कब और कितनी होगी, तेज हवा, पाला, तुषार या पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा या नहीं, यह जानकारी समय पर नहीं मिल पा रही।

किसान पूरी तरह अनुमान पर खेती करने को मजबूर हैं। 2018 में तलून कृषि विज्ञान केंद्र में मौसम केंद्र की स्वीकृति मिली और वर्ष 2019 में शुरू हुई यह इकाई कंट्रोल रूम जैसी थी। हर घंटे मौसम के आंकड़े जुटाकर फसलवार सलाह दी जाती थी। वर्ष 2024 में केंद्र सरकार ने प्रदेश के 199 केंद्रों पर संचालित सेवा बंद कर दी थी। विभाग द्वारा न्यायालय के दो साल के स्थगन मिलने के 2 साल बाद अवधि खत्म होते ही मौसम सेवाएं फिर बंद कर दी गई। अब न स्थानीय पूर्वानुमान है, न वैज्ञानिक सलाह। किसानों ने सेवा फिर शुरू करने की मांग की है।

तलून का ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन 24 घंटे मौसम पर नजर रखता था। यहां से तापमान, अधिकतम-न्यूनतम तापमान, वर्षा की मात्रा, हवा की गति-दिशा, वायुमंडलीय आर्द्रता, मिट्टी का तापमान, मिट्टी की नमी और धूप की अवधि दर्ज होती थी। इन आंकड़ों के आधार पर कृषि वैज्ञानिक फसलवार सलाह तैयार करते थे। स्टेशन बंद होने से यह पूरी व्यवस्था ठप है। अब किसानों को न बारिश का सही अंदाजा मिल रहा, न सिंचाई और दवा छिड़काव का समय तय हो पा रहा।

तलवाड़ा बुजुर्ग के किसान शंकर बरफा, कैलाश मुकाती, मोहन लाला, परमानंद चौधरी का कहना है कि सरकार डिजिटल कृषि की बात करती है, लेकिन जरूरी मौसम सेवा ही बंद कर दी। बिना स्थानीय जानकारी के वैज्ञानिक खेती संभव नहीं। किसानों ने मांग की है कि तलून की कृषि मौसम इकाई और वेदर स्टेशन तुरंत शुरू किया जाए, ताकि खरीफ, रबी दोनों सीजन में समय पर पूर्वानुमान और फसलवार सलाह मिल सके।

सुधार होने पर जानकारी की जाएगी सांझा

डॉ रविन्द्रसिंह सिकरवार, कृषि एवं मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बंद होने से सटीक पूर्वानुमान और नाऊकास्ट की जानकारी जिले से जारी नहीं हो रही। यह जानकारी भोपाल से दी जा रही है। स्टेशन बंद होने की सूचना भोपाल कार्यालय को दी गई है। सुधार होने पर जानकारी सांझा की जाएगी।

पहले कृषि मौसम इकाई से हर मंगलवार और शुक्रवार को एडवाइजरी जारी होती थी। इसमें अगले पांच दिनों का पूर्वानुमान और 12 घंटे की नाऊकास्ट रहती थी। इसके आधार पर बताया जाता था कि बुआई कब करें, सिंचाई रोके या करे, कीटनाशक-उर्वरक का छिड़काव कब करें, कटाई का सही समय क्या है। तेज बारिश या हवा से फसल बचाने के उपाय भी बताए जाते थे। इससे खर्च कम होता था और नुकसान घटता था।

कृषि विशेषज्ञ मानते हैं कि मौसम आधारित सलाह नहीं मिलने से किसान गलत समय पर सिंचाई, दवा या उर्वरक का उपयोग कर देते हैं। इससे लागत बढ़ती है और उत्पादन घटता है। पाला, तुषार और तेज हवाओं की समय पर चेतावनी नहीं मिलने से फसलों को नुकसान की आशंका भी बढ़ जाती है। मौसम आधारित कृषि योजनाओं का लाभ भी किसानों तक ठीक से नहीं पहुंच पा रहा है। जिला कृषि मौसम इकाई बंद होने के बाद मौसम की जानकारी भोपाल और राष्ट्रीय स्तर से जारी हो रही है। किसान कहते हैं कि यह जानकारी संभाग या प्रदेश के हिसाब से होती है। कई बार जिले में मौसम का मिजाज अलग रहता है। ऐसे में सटीक चेतावनी नहीं मिलने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अचानक बारिश या तेज हवा आने पर किसान फसल की सुरक्षा नहीं कर पाते।

लागत बढ़ेगी और नुकसान का खतरा रहेगा

मौसम सेवा बंद होने से किसान सबसे ज्यादा खरीफ की बुआई, सिंचाई, दवा-उर्वरक छिड़काव, नर्सरी तैयार करने, दलहन-तिलहन की बोनी और कटाई में परेशान हैं। समय पर बारिश की जानकारी नहीं मिलने से कई किसान बुआई टाल रहे हैं। कुछ ने बौनी कर दी है। अचानक तेज बारिश या लंबा सूखा पड़ा तो दोबारा बुआई करनी पड़ेगी। इससे लागत बढ़ेगी और नुकसान का खतरा रहेगा।

वार्ड 5 में नगर पालिका ने किया भवन को ध्वस्त

बड़वानी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर पालिका ने जीर्ण-शीर्ण एवं क्षतिग्रस्त भवनों का व्यापक सर्वेक्षण अभियान संचालित किया। जिसमें 24 वार्डों में जर्जर भवनों का भौतिक निरीक्षण कर स्थिति का आंकलन किया गया। वर्डों में 12 भवन अत्यंत जीर्ण-शीर्ण एवं खतरनाक अवस्था में मिले, जिनसे वर्षा ऋतु एवं प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जन-धन की हानि होने की आशंका थी। इन भवनों को चिंहित कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई।

2 जुलाई 2026 को वार्ड क्रं. 5 सुखविलास कॉलोनी में अत्यंत जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवन पर नपा अमले द्वारा प्रशासनिक उपस्थिति में कार्रवाई करते हुए सुरक्षित रूप से ध्वस्त (क्षतिग्रस्त/विध्वंस) किया गया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन किया तथा आसपास के क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई।

निकाय के उपयंत्री बलदेवसिंह ठाकुर ने बताया कि अन्य चिंहित जीर्ण-शीर्ण भवनों के संबंध में भी संबंधित भवन स्वामियों को नियमानुसार नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई नहीं करने की स्थिति में नगर पालिका द्वारा नियमानुसार भवनों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

बारिश की खेंच से नगरवासियों में चिंता

पानसेमल, (नवभारत)। नगर सहित क्षेत्र में बारिश की खेंच एवं अल्पवर्षा से क्षेत्रवासियों में चिंता बनी है। कुछ स्थानों पर हल्की बूंदा-बांदी तो कहीं मध्यम वर्षा हुई है। जिसे लेकर श्रीराम मंदिर पर बुधवार रात्रि नगर अध्यक्ष शैलेश भंडारकर, नगर पटेल संजीव सावले, मुस्लिम सदर रफीक राठौड़, पार्षदों, किसानों, व्यापारियों, पंडितों व प्रबुद्धजनों ने सामूहिक रूप से प्रार्थना एवं श्रीराम धून के लिए बैठक की।सर्व सहमति से गुरुवार को नगर भ्रमण कर प्रतिष्ठानों तथा नगर वासियों से आव्हान कर वर्षा की प्रार्थना में सम्मिलित होने की अपील की जाएगी। अच्छी बारिश एवं सुख समृद्धि के लिए श्रीराम मंदिर में मुख्य यजमान राकेश चौधरी के पुजन के बाद सवा लाख जाप भी किए जा रहा है।

कलेक्टर ने किया निरीक्षण

- प्राचार्य का वेतन रोकने और शिक्षकों को नोटिस देने के दिए निर्देश

बड़वानी, (नवभारत)। कलेक्टर जयति सिंह ने गुरुवार के ग्राम जुनाझिरा स्थित एकीकृत शासकीय हाई स्कूल का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, पुस्तक वितरण, स्कूल परिसर की साफ-सफाई और मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन किया। शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के बावजूद शाला में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति एवं शिक्षण व्यवस्था को लेकर नाराजगी व्यक्त कर प्राचार्य का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। कर्तव्यों के प्रति उदासीनता बरतने पर शिक्षक व जनशिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों की उपस्थिति के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक नजर में

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की दो बैलों के साथ मौत

थांदला। ग्राम पंचायत कलदेला के उड़ीखाली फलिया में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की दो बैलों सहित मौत हो गई। मृतक किसान की पहचान कलजी मईडा पिता मडिया मईड़ा के रूप में हुई है। हादसे के वक्त किसान अपने खेत में बखर से जुताई कर रहा था। अचानक तेज गर्जना के साथ गिरी बिजली ने किसान और दोनों बैलों को मौके पर ही लील लिया। जानकारी अनुसार शाम करीब 6 बजे कलदेला क्षेत्र में तेज बारिश के साथ बादल गरज रहे थे। किसान कलजी की बुवाई की तैयारी के लिए खेत में बखर जोत रहा था। अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली सीधे किसान और बैलों पर गिरी धमाका इतना तेज था कि आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान चमक गए मौके पर पहुंचे तो कलजी और दोनों बैल मृत पड़े थे। ग्रामीणों ने तुरंत अपने निजी वाहन से शव को थांदला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सहकारी सप्ताह के तहत बोरी में किया जागरूकता

आलीराजपुर। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार सहकारी सप्ताह के अंतर्गत बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, बोरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त सहकारिता जी.एल. सोलंकी ने किसानों को सहकार से समृद्धि अभियान में शून्य प्रतिशत ब्याज पर केसीसी ऋण, सहकारी समितियों की सदस्यता तथा शासन की कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों से सहकारी समितियों से जुड़कर शासकीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। संस्था प्रबंधक रमेशचंद्र राठौड़ ने बताया कि सदस्यता अभियान के तहत 252 नए सदस्य जोड़े गए हैं तथा 1,852 सदस्य शून्य प्रतिशत ब्याज पर केसीसी ऋण से लाभान्वित हो चुके हैं। इस दौरान उपसरपंच राधेश्याम राठौड़, सहकारिता विभाग के अधिकारी राहुल चौहान, संस्था प्रबंधक रमेशचंद्र राठौड़, समिति के पदाधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रह।

लायंस क्लब ऑफ पेटलावद ग्रेटर ने डॉक्टर्स का सम्मान कर किया नवीन सत्र का शुभारंभ

पेटलावद। लायंस क्लब ऑफ पेटलावद ग्रेटर द्वारा नवीन सत्र का शुभारंभ राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डॉक्टर्स डे)द्य के अवसर पर नगर के वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान कर गरिमामय वातावरण में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एस. के. महाजन ने कहा कि चिकित्सकों की सेवाओं का सम्मान करना उनके प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है। । स्वागत उद्बोधन में क्लब के नवनियुक्त अध्यक्ष लायन वीरेंद्र भट्ट ने कहा कि परमार्थ एवं मानव सेवा में समर्पित व्यक्तित्वों का सम्मान करना क्लब के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है॥। इस अवसर पर रीजन चेयरपर्सन लायन अनिल शर्मा ने डॉक्टर्स डे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चिकित्सकों को भगवान का दूसरा स्वरूप माना जाता है। डॉ. अखिलेश सोराडा ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह चिकित्सकों को और अधिक समर्पण एवं उत्साह के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देते हैं। डॉ. प्रवेश उपाध्याय एवं डॉ. संजय पाटीदार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन कार्यक्रम शुरू

आलीराजपुर। ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आजीविका सशक्तिकरण को नई गति देने की दिशा में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए जा रहे 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' के शुभारंभ का जिला स्तरीय जन सम्मेलन सह लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन आलीराजपुर जिले के ग्राम पंचायत मालवई में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, विशेष अतिथि सांसद अनीता चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हजरी बाई खरत, कलेक्टर नीतू माथुर,जिला पंचायत सीईओ संघमित्रा गौतम सहित ग्राम पंचायतों के सचिव सरपंच सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय शुभारंभ समारोह का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधि, अधिकारियों एवं ग्रामीणजन द्वारा सामूहिक रूप से देखा और सुना गया। कार्यक्रम स्थल पर योजना से संबंधित नवीन प्रावधानों, उद्देश्यों एवं प्रमुख विशेषताओं की जानकारी पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से प्रदर्शित कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही आजीविका मिशन द्वारा जैविक डाल, शहद,मसालों, हस्तनिर्मित आभूषणों की प्रदर्शनी लगाई जिसका अवलोकन अतिथियों द्वारा कर उनके कार्यों की सराहना की।

एक व्यक्ति एक बार ही बने प्रधानमंत्री... रीट याचिका पर हाईकोर्ट का केंद्र को नोटिस

- 70 वर्षीय अधिवक्ता की याचिका पर 3 अगस्त तक मांगा जवाब

आलीराजपुर। देश में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जैसे सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर एक व्यक्ति को केवल एक बार नियुक्त किए जाने और वन नेशन-वन पोस्ट व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर दायर याचिका दायर की गई है। 70 वर्षीय अधिवक्ता डॉ. शंकरलाल बागवान ने याचिका दायर की है। इस पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति संजीव एन. भट्ट की एकलपीठ ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर 3 अगस्त तक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

याचिका में केंद्र सरकार, कानून मंत्रालय, निर्वाचन आयोग तथा प्रधानमंत्री को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि संविधान में प्रदत्त समानता के अधिकार की भावना के अनुरूप प्रत्येक योग्य नागरिक को देश का प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री बनने का समान अवसर मिलना चाहिए। इसलिए न्यायालय वन नेशन-वन पोस्ट की व्यवस्था लागू करने के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करे, ताकि कोई भी व्यक्ति इन पदों पर केवल एक बार ही नियुक्त हो सके। डॉ. बागवान ने इससे पूर्व भी इसी विषय पर याचिका प्रस्तुत की थी, किंतु तकनीकी त्रुटियां (डिफेक्ट) दूर नहीं किए जाने के कारण वह निरस्त हो गई थी। अब उन्हीं तथ्यों के आधार पर याचिका को पुन: बहाल (रिस्टोर) कराने और मामले पर सुनवाई के लिए नई याचिका दायर की गई है।

जब तक किसी नेता को लोकसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त रहता है, वह कई बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकता है। संविधान में प्रधानमंत्री बनने के लिए संसद की सदस्यता, बहुमत का समर्थन तथा अन्य संवैधानिक योग्यताओं का ही उल्लेख है। संवैधानिक विशेषज्ञों के अनुसार ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे संसदीय लोकतंत्र वाले देशों में भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल की संख्या पर कोई संवैधानिक सीमा निर्धारित नहीं है। यदि भारत में किसी व्यक्ति को केवल एक बार प्रधानमंत्री बनाने जैसी व्यवस्था लागू करनी हो, तो इसके लिए संविधान संशोधन सहित व्यापक संसदीय एवं विधायी प्रक्रिया अपनानी होगी। याचिका में एक व्यक्ति केवल एक बार प्रधानमंत्री एवं एक बार गृहमंत्री बने, वन नेशन-वन पोस्ट व्यवस्था लागू हो। मामला संवैधानिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक सिद्धांतों तथा सार्वजनिक नीति से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रश्न को न्यायिक विमर्श के केंद्र में लाता है। हालांकि, अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा सभी पक्षों के तर्कों और लागू संवैधानिक प्रावधानों पर विचार करने के बाद ही किया जाएगा।

केंद्र सरकार से मांगा जवाब

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने याचिकाकर्ता के तर्कों पर प्रारंभिक विचार करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया तथा 3 अगस्त तक जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई निर्धारित की जाएगी। भारतीय संविधान में प्रधानमंत्री के पद के लिए कार्यकाल की अधिकतम संख्या निर्धारित नहीं है। प्रधानमंत्री का कार्यकाल सामान्यत: लोकसभा के कार्यकाल और सदन के बहुमत पर निर्भर करता है।

कलेक्टर ने किया सोरवा में स्वास्थ्य केंद्र, तहसील ऑफिस का औचक निरीक्षण

- स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त दवाइयां रखने के भी दिए निर्देश

आलीराजपुर। कलेक्टर नीतू माथुर ने गुरुवार को सोरवा क्षेत्र का व्यापक दौरा कर प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर जायजा लिया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, टप्पा तहसील कार्यालय एवं आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित खाद वितरण केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन कर जिले में अच्छी वर्षा एवं किसानों की समृद्धि की कामना की। भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों और बच्चों से चर्चा भी की। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर सोहन कनास, एसडीएम सुश्री निधि मिश्रा, तहसीलदार सविता राठी, नायब तहसीलदार मंजू डावर, नायब तहसीलदार सरिता बालेचा, मेडिकल ऑफिसर डॉ. कुलदीप वास्केल, एएमओ डॉ. ज्योति पटेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर नीतू माथुर ने सोरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर दवाइयों की उपलब्धता, महिला वार्ड, प्रयोगशाला एवं साफ-सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने एक्सपायर्ड दवाइयों को हटाने, आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला वार्ड में भर्ती प्रसूता से स्वास्थ्य की जानकारी लेकर पौष्टिक आहार एवं नवजात को केवल मां का दूध पिलाने की सलाह दी।

महादेव मंदिर में वर्षा की प्रार्थना, ग्रामीणों और बच्चों से किया आत्मीय संवाद

दौरे के दौरान कलेक्टर माथुर ने सोरवा स्थित महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन कर जिले में शीघ्र एवं अच्छी वर्षा होने की प्रार्थना की, ताकि किसानों को समय पर बुआई का लाभ मिल सके। भ्रमण के दौरान उन्होंने मार्ग में महुआ के बीज निकाल रही एक बुजुर्ग महिला से बातचीत कर इस पारंपरिक कार्य की जानकारी ली और स्वयं भी महुआ के बीज निकालकर ग्रामीण जीवन को करीब से समझा। उन्होंने बच्चों से संवाद कर उन्हें नियमित विद्यालय जाने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

15 सितम्बर तक चलेगा खुरपका-मुंह पका टीकाकरण अभियान

- सभी विकासखंडों में पहुंचेंगी डॉक्टरों की विशेष टीम

आलीराजपुर। जिले में गौवंशीय और भैंसवंशीय पशुओं को खुरपका-मुंहपका (एफ.एम.डी.) रोग से सुरक्षित रखने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा 15 सितम्बर 2026 तक विशेष नि:शुल्क टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी विकासखण्डों में विभागीय पशु चिकित्सा दल ग्राम स्तर पर पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण कर रहे हैं।

उप संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. एम. एस. खरत ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे टीकाकरण दल के गांव पहुंचने पर अपने सभी गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशुओं का नि:शुल्क टीकाकरण अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण से खुरपका-मुंहपका जैसे संक्रामक रोग की प्रभावी रोकथाम कर पशुधन को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सकता है। उन्होंने सरपंचों, सचिवों, दुग्ध सहकारी समितियों, प्रगतिशील पशुपालकों एवं आम नागरिकों से भी अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की है, ताकि जिले में शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। उक्त जानकारी उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दी गई।